



CH
27/31/66

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 579]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर, 5, 1985/अग्रहायण 14, 1907

No. 579] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1985/AGRAHAYANA 14, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

परिवहन मंत्रालय

(रेल विभाग)

(रेलवे वोई)

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर 1985

श्रद्धालुचन

का. आ. 381(अ).—केंद्रीय सरकार, भारतीय रेल अधिनियम 1890
(1890 का 9) की धारा 47 की उपधारा (1) के खंड (छ) द्वारा
प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अधर्ता—

1. मंजिल नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का मंजिल नाम रेल
वाही मेंवा अभिकर्ता प्राधिकरण नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2 परिभाषाएँ: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अनुकूल
न हो;—

(क) 'अभिकर्ता' से नियम 4 के अधीन रेल वाही मेंवा अभिकर्ता
के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया गया व्यक्ति अभिप्रेत है
और इसके अंतर्गत ऐसे व्यक्ति का वह कर्मचारी भी है जिसे
नियम 5(viii) के अधीन पहचान पद दिया गया है,

(ख) 'अनुचरित' मे नियम 4 के अधीन दो गई अनुचरित अभिप्रेत
हैं,

(ग) "सक्रम प्राधिकारी" से क्षेत्रीय रेल का महाप्रबन्धक या "इन
नियमों के अधीन उसके कृत्यों का निर्वहन करने के लिए,
उसके द्वारा प्राधिकृत किया गया कोई अधिकारी अभिप्रेत
न है और

(घ) 'स्टेशन' से वह क्षेत्र अभिप्रेत है जिसके भीतर मुख्य रेल
स्टेशन और उस रेल से संबंधित आरक्षण बुकिंग कार्यालय
अवस्थित है, जैसे, उत्तर रेलवे के लिए नई दिल्ली और पुरानी
दिल्ली के सम्मिलित क्षेत्र, पूर्व और दक्षिण पूर्व रेलों के
लिए सियालदह और हावड़ा, पश्चिम और मध्य रेल के लिए
मुम्बई और दक्षिण रेल के लिए भटाचार्य।

3 अभिकर्ता की नियुक्ति के लिए शर्त—(1) कोई व्यक्ति—

(1) जिसके पास लवीननम आय-कर भमाणोधन प्रमाण प्रद
है,

(2) जिसके पास नगर में उचित है से अनुशिष्ट कार्यालय और
परिमर तथा ऐसे पर्याप्त साधन और सुविधाएँ हैं जिसमें

होगी जब तब सक्षम प्राधिकारी, ऐसे भारणों में भा. नेष्टवडु विजायरे की किसी मामले में अन्यथा निन्दित नहीं करे आए तियम् ५ के उपर्युक्त प्राप्तिनि वे स्वतंत्रण का उमी प्रभाव व ता. तो जिस प्राप्तार वे उसका अन्तरी के लिए जाता है।

९ परिवर्तनि निमेण वा जावार विदि गाँ. इसका गाँ. गाँ. की तरा करने में असफल रहता है आर. ग. गा. भारत इस लालात सड़कार करना है तो सदाम प्राधिकारी न नियम व व्यापक कर्ति अथ कारेवाई करने के अतिरिक्त, नियम ३ के उपारपम् (१) व अधीन ज्ञान की गई प्रतिभर्ति को रकम वा अप्येय अर्थात् वाहा द्वारा उसक प्राप्तका से ली गई गाँ. वा लाटाने के लिए लागता।

१ अर्थात् (१) इन नियमों व अधीन लिए गए गाँ. गाँ. के प्रत्येक प्राप्ति वे केवल लालात वा माप्ति होती है।

(२) उपर्युक्तम् (१) के अधीन पर्याप्त उमा नाम से जिसका वा आदेश, जिसके विदु अपील की जाती है, एवं उत्तरा वा सम्बन्धित नियम जाता है, तोम दिन के भीतर की जारी।

१० रेल का वायिच रुप प्रणालीन संभिकता के ५ वा काम वा लाप के कारण लालक वा हुई या होना समावित १८मी दिन या नुकसान के लिए दाती नहीं होता।

[प ००-ठी ३८८०-१८] १८ दिन लाल संबित

प्राप्ता]

इन यारी सभा अभिकर्ता व प्राप्ति १८ दिन

(नियम ४ इष्टा)

- १ नाम ।
- २ कारबार का पता
- ३ अभियन (स्वतंत्रगारी फस गा. कपनी) -- विदि पर्म २ ता. रजिस्टर-करण और प्रसाणण और भागीजारी विवेद वी प्रति आर यदि कपनी है तो रजिस्ट्रिकरण प्रमाणात् वथा समग्र अनुस्तुति और समग्र ज्ञापन की गण गति भलगा दी जाए।
- ४ स्टेजन और रेल जिसके लिए प्राधिकरण किए गए।
- ५ विनीय प्राप्तिति (मब्से एनिम आप व समाज व व्यापार प्रमाणपत्र संकरन किए जाएं)।
- ६ कर तर परिसर अपना = या फिरा देके पर २ (स्वतंत्रगार इमारेन मन्त्रन करें)।
७. कारबार परिसर तक जन साधारण ज्ञानार्थी स पहच सकता है या नहीं।
- ८ कारबार परिसर म स्थान दुकियों के नामे नामिता।
- ९ कारबार परिसर म उपलग मुनिदापा--उन्नीटो लेल आर।
१०. कारबार परिसर म याहको के लिए उपलग प्रमिकारा (सेटि, शोचालय, आदि)
११. न्या कोई स्वासी/भागीदार नियनक कभी नामित छाराया गया है? यदि हाँ तो व्य र दीजिए।
१२. कोड अत्य मुमगत जानकारों।

मे जिस्मा लेता है यि उपर वी गई किसी जानकारी के किनी भी जावन, मिथ्या या सही नहीं पाए जान की दशा में भा. शी गई अनुस्तुति एवं की जान की दाशी हुया।

आप

प्राप्ति

प्राप्ति १८ दिन

प्राप्ति ११

अनन्तर्भूति

(नियम ५ देखिए)

म

ये अनन्तर्भूति समय वो आवधित रेल यात्रियों की ओर से रेल के रहे ते पर अवधित आरक्षण उकिय वार्तिय से टिकटे खरीदने, रहे करने प्राधिकार अभियान वरत ओर यात्रा स्थगित करते तथा आरक्षण प्राप्त रहने ६ दिन अभिकर्ता के हृष्मे वाय करने के लिए प्राप्तिकृत हेतु री गाँ. है।

प्राप्तिकर्ता वह वान्दर (वारकार वा पता)

१ नियन्त्रिता जनों व अधीन रहने हुए करना;

(१) अनन्तर्भूति दिन जाने वी तारीख मे तीन वर्ष को अवधि के लिए अधिकान्य है।

(२) अनु दिन दृष्टान्तर्भूति नहीं होती,

(३) अभियन देखोय थेगी मे भिन्न थेणियो के लिए आरक्षण प्राप्त करने के लिए सेवा प्रभार के रूप मे १५ रुपए प्रति यात्री और द्वितीय थेगी के लिए ४ रुपये प्रति यात्री से अधिक अभासित नहीं करेगा। किन्तु, जहा एक यात्री स अवधि के लिए आरक्षण एवं ही प्रयोग पर्वी पर प्राप्त अक्षण जाना है वहा सेवा प्रभार द्वितीय थेगी से भिन्न योग्या के दशा मे पहले यात्री के अभिवित प्रत्यक्ष यात्री के लिए ४ रुपये आर द्वितीय थेगी के लिए प्रत्येक यात्री ५ रुपये मे अधिक नहीं होगा,

(४) अभियान कारबार स्वय करेगा या इस प्रयोगन के लिए अभियानों द्वारा अनुमोदित यपने कर्मचारी के माध्यम मे होगा,

(५) परामिति आर सेवा प्रभार कारबार के सुदृश्य स्थान पर प्रदानित किए जाएंगे,

(६) अभिकर्ता टिकटे की खरीद, आरक्षण प्रभार और सेवा प्रभारो के लिए गाइको से प्राप्त किए गए दस को दर्शने हुए पृथक पथक रखीदे देगा।

(७) अभियन या रजिस्टर रखेगा जिसमे व्यक्ति कर्मचारियों के नाम, निंग, आयु, पन, यात्रा की विविधिया और टिकट संख्याक उपर्युक्त लिए जाएंगे,

(८) अभिकर्ता टिकटे खरीदने व्य. आरक्षण प्राप्त करने का कार्य अपन ग्राम - लिखित निवेदन पर वरेगा। जहा अभिकर्ता फा. पर पात मदेण के आधार पर यह कार्य करता है वहाँ वह रेल टिकट ग्रपने ग्राहक को देने से पूर्व उससे एक निवित निवेदन अभियान वरेगा,

(९) अभिकर्ता या रजिस्टर रखेगा जिसमे उसके ग्राहको के नाम, निंग, आयु, पन, यात्रा की विविधिया और टिकट संख्याक उपर्युक्त लिए जाएंगे,

(१०) अभियान या उसके कर्मचारी द्वारा आरक्षण के लिए प्राप्ति एक आरक्षण यदि, या उसके विविधात्मकी गयी। या उपर्युक्त पर अभियान या उसका कर्मचारी

हरनामग करेगा और वह उसे अपने पहचानपत्र के साथ प्रस्तुत करेंगे। अधिकतर या उसका कर्मचारी एक दौर में एक से बढ़िया जातियों प्रथम प्ररन्त नहीं बरेगा।

(xii) अधिकतर या उसकी गार में कई घरमें रेल परिवहन के भौतिक चार रेल पारकण कार्यालय से 100 मीटर की दूरी के भौतिक दूर बरने और प्रारकण करने के लिए कोई संयाचना नहीं करेगा,

(xiii) गश्तम प्राधिकारी या उग्रक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी की अधिकतर जारी की अवधि वे दैरेशन किसी भी समय अपने परिवहन में और अधिकारी तक पहुंचने देना और विरक्षण के लिए सभी आवश्यक गहायत्रा प्रदान करेगा, और

(xiv) जहाँ काउन्टर चॉकीस परे खुले रहते हो वहाँ अधिकतर या उसके कर्मचारी से अवधारणा से प्राप्त सात बजे के बीच टिकट खरीदने पर प्रारकण के लिए कोई अध्यायेश्वा प्रहृण नहीं की जाएगी।

स्वप्न :

प्राज्ञ शारीर..... की मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से दी गयी।

हस्ताक्षर

MINISTRY OF TRANSPORT

(Dept. of Railways)

(Railway Board)

New Delhi, the 5th December, 1985

NOTIFICATION

S.O. 881(E).—In exercise of the powers conferred by Clause (g) of sub-section (1) of section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Authorisation of Rail Travellers' Service Agents Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires,—

- (a) "agent" means a person authorised to act as a rail travellers' service agent under rule 4 and shall include an employee of such person to whom an identity card under rule 5(viii) has been issued;
- (b) "licence" means a licence issued under rule 4;
- (c) "competent authority" means the General Manager of the Zonal Railway or any officer authorised by him to discharge his functions under these rules; and
- (d) "station" means the area within which the main railway station and the Reservation

Booking Offices pertaining to a railway are situated such as New Delhi and Old Delhi areas together for Northern Railway, Sealdah and Howrah for Eastern and South Eastern Railways, Bombay for Western Central Railways and Madras for the Southern Railway.

3. Conditions for appointment of an agent.—(1) A person who is :—

- (i) in possession of the latest income tax clearance certificate;
- (ii) having office and premises properly maintained with adequate convenience and amenities in the city so as to accommodate the visit of sufficient number of customers; and
- (iii) not convicted in a criminal case involving moral turpitude;

may apply for issue of a licence under Rule 4 to act as an agent.

(2) The fees on payment of which the licence shall be issued or renewed shall be Rs. 1200 and Rs. 600 for any additional licence for a Railway in the same station.

(3) The security deposit on furnishing of which the licence shall be issued or renewed shall be Rs. 5,000 in cash and Bank Guarantee for Rs. 15,000. There shall be no accrual of interest on the said deposit.

(4) The number of agents for each station and Railway shall be such as may be determined by the competent authority.

4. Issue of a licence :

(1) An application for issue of a licence shall be made to the competent authority in Form I (Annexed).

(2) On receipt of an application, the competent authority after making such inquiry, if any as it may consider necessary, shall order to issue the licence authorising the applicant to act as a rail travellers' service agent or for reasons to be recorded in writing refuse to issue the same.

(3) If the applicant deposits fee specified in sub-rule (2) of rule 3 and furnishes security deposit under sub-rule (3) of rule 3 within a period of one month from the date on which the competent authority requires him to deposit fee and furnish security, he shall be issued the licence in Form II (Annexed).

(4) If an applicant fails to deposit the fee and furnish the security within the period specified in sub-rule (3), his application shall be deemed to have been rejected.

5. The conditions on which the licence may be granted :—

The licence issued under rule 4 shall be subject to the following conditions, namely :—

- (i) the licence shall be valid for a period of three years from the date of its issue;

- (ii) the licence shall not be transferable;
- (iii) the agent shall not charge more than Rs. 15 per passenger as service charges for securing reservation in classes other than second class and Rs. 8 in the second class but in case where the reservation for more than one passenger is secured on the same requisition slip, the service charges shall not exceed Rs. 8 per passenger in excess of the first passenger in the case of classes other than second class and Rs. 5 per passenger for second class;
- (iv) the agent shall conduct the business himself or through his employee approved by the competent authority for this purpose;
- (v) the licence and the service charges shall be displayed at a conspicuous place of business;
- (vi) a receipt showing money received from his client for purchase of tickets, reservation charges and service charges separately shall be issued by the agent;
- (vii) a register showing names, sex, age and address of his employee shall be maintained by the agent;
- (viii) an identity card with a photograph countersigned by the competent authority for purchase of tickets and securing reservation shall be issued by the agent to each of his employees;
- (ix) the purchase of tickets and securing of reservation by the agent shall be on a written request from his client. In case the agent acts on a telephone call, a written request shall be obtained by him from the client before delivering the railway ticket to his client;
- (x) a register indicating the name, sex, age, address and journey particulars together with ticket number of his clients shall be maintained by the agent;
- (xi) a request for reservation by the agent or his employee shall be made on a reservation requisition form indicating the licence number and its validity period. The requisition form shall be signed by the agent or his employee and shall be presented with his identity card. Not more than one requisition form shall be presented by the agent or his employee at a time;
- (xii) there shall be no canvassing for booking and reservation by the agent or any person on his behalf within the railway premises and within the distance of 100 metres from the railway reservation office;

- (xiii) the competent authority or an officer authorised by him shall be allowed access to the premises and records any time during the business hours by the agents who shall render all necessary assistance for inspection; and
- (xiv) no requisition for the purchase of tickets or reservations where round-the-clock counters are functioning shall be entertained from the agent or his employee between the hours of midnight and 7 A.M.

6. (a) Suspension/Cancellation of the Licence.—Without prejudice to any other provisions under the Indian Railways Act, 1890 and these rules the competent authority shall have the right to suspend or cancel at any time the licence for violation of or for ceasing to fulfil any of the conditions under these rules or any other rule or regulation applicable with regard to purchase of ticket and securing reservation or for any other reason which the competent authority deems to be expedient in the public interest;

Provided that no action under this rule shall be taken unless an opportunity to show cause is given to the agent.

(b) Any breach of these rules shall also be liable to attract punishment as laid down in section 47(2) of the Indian Railways Act, 1890.

7. Renewal of licence.—A licence shall, unless the competent authority for reasons to be recorded in writing otherwise decides in any case be renewable for three years and shall be so renewable from time to time and the provisions of rule 4 shall apply to the renewal of the licence as they apply to the grant thereof.

8. Utilisation of Security Deposit.—Where the agent fails to perform the service for his client and refuses to refund the amount charged by him, the competent authority shall in addition to any other action taken under these rules, utilise the amount of security deposited under sub-rule (3) of rule 3 for refund of the amount charged by the agent from his clients.

9. Appeal.—(1) An appeal shall lie against every order of the competent authority made under these rules to the Central Government.

(2) The appeal under sub-rule (1) shall be preferred within thirty days from the date on which the order appealed against is communicated to the appellant.

10. Liability of Railways.—The Railway administration shall not be liable for any loss or damage suffered or likely to be suffered by a client on account of any act or omission of the agent.

FORM I

APPLICATION FOR AUTHORISATION OF
RAIL TRAVELLERS' SERVICE AGENT

(See Rule 4)

1. Name _____

2. Business Address :

3. Status (whether proprietorship, firm or company)—if firm copy of registration certificate and partnership deed and if company, copy of registration certificate and memorandum of association and articles of association to be attached.

4. Station and Railway for which authorisation is sought.

5. Financial status (latest income tax clearance certificate to be attached).

6. Whether business premises are owned or on hire/lease (supporting documents to be attached).

7. Whether business premises are easily accessible for the public.

8. Details of accommodation in the business premises with dimensions.

9. Amenities available at the business premises—Telephone Telex etc

10. Facilities available for the clients at the business premises (seats toilet etc)

11. Whether any proprietor/Partner/Director has ever been convicted ? if so, give the details thereof.

12. Any other relevant information. .

I undertake that in the event of any information given above being found to be false or inaccurate in any respect, the licence issued shall be liable to be cancelled.

Place :

Date .

Signature of applicant.

FORM II

LICENCE

(See Rule 5)

No.

M s. _____ is hereby issued this licence authorising him to act as an agent to purchase cancel obtain refunds and journeys postage money of tickets and secure reservation on behalf of intending

rail travellers from the reservation booking office located at _____ station on _____ Railway.

The agent shall conduct the business from (address of the business) subject to the following conditions.—

- (i) the licence shall be valid for a period of three years from the date of its issue;
- (ii) the licensee shall not be transferable;
- (iii) the agent shall not charge more than Rs. 15 per passenger as service charges for securing reservation in classes other than 1st class and Rs. 8 in the 2nd class but in case where the reservation for more than one passenger is secured on the same requisition slip, the service charges shall not exceed Rs. 8 per passenger in excess of the first passenger in the case of classes other than 1st class and Rs. 5 per passenger for 2nd class.
- (iv) the agent shall conduct the business himself or through his employee approved by the competent authority for this purpose;
- (v) the licence and the service charges shall be displayed at a conspicuous place of business;
- (vi) A receipt shewing money received from his client for purchase of tickets, reservation charges and service charges separately shall be issued by the agent;
- (vii) a register showing names, sex, age and address of his employee shall be maintained by the agent;
- (viii) an identity card with a photograph countersigned by the competent authority for purchase of tickets and securing reservation shall be issued by the agent to each of his employees.
- (ix) the purchase of ticket and securing of reservation by the agent shall be on a written request from his client. In case the agent acts on a telephone call, a written request shall be obtained by him from the client before delivering the railway ticket to his client;
- (x) a register indicating the name, age, sex, address and journey particulars together with ticket number of his client shall be maintained by the agent;
- (xi) a request for reservation by the agent or his employee shall be made on a reservation requisition form indicating the licence number and its validity period. The requisition form shall be signed by the agent or his employee and shall be presented with his identity card. Not more than one requisition form shall be presented by the agent or his employee at a time;

(xii) there shall be no canvassing for booking and reservation by the agent or any person on his behalf within the railway premises and within the distance of 100 metres from the railway reservation office ;

(xiii) the competent authority or an officer authorised by him shall be allowed access to the premises and records any time during the business hours by the Agent who shall render all necessary assistance for inspection ; and

(xiv) no requisition for the purchase of tickets or reservations where round the clock counters are functioning shall be entreated from the Agent or his employee between the hours of midnight and 7 A.M.

Given under my hand and seal on this _____

Place :

day of _____ 198_____
Signature _____

